



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 220]  
No. 220]

नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 7, 1985/कार्तिक 16, 1907  
NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 7, 1985/KARTIKA 16, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ सख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

## वाणिज्य सत्राख्य

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं० 10 आई टी सी (पी एन)/९५-४९

नई दिल्ली, 7 नवम्बर, 1985

विषय—1985-88 के लिए कच्चे काजू के संबंध में आयात और  
पंजीकरण नीति।

कादेश सं० आई टी सी/25/2/81/85 से जारी—वाणिज्य सत्राख्य  
का सार्वजनिक सूचना सं० 1-आई टी सी (पी एन)/85-88, दिनांक  
12 अप्रैल, 1985 के अन्तर्गत प्रकाशित अर्थात् 1985-88—मार्च 1988  
के लिए आयात-पंजीकरण नीति (खण्ड-1) की ओर ध्यान दिलाया जाता  
है।

2 1985-88 को आयात नीति के अन्तर्गत कच्चे काजू का आयात  
वास्तविक उपभोक्ताओं (प्रौद्योगिक), निर्यात सदस्यों, व्यापार सदस्यों और  
सार्वजनिक काजू निगम व० द्वारा निर्यात परमिशन के अन्तर्गत किया  
जा सकता है।

1 आयात की खरीद का निर्णय हो जाने से गान दिना के भीतर  
पत्र आयातक भारतीय काजू निगम लि० कोषीन द्वारा निर्यात प्रपत्र में  
अपनी खरीद के खर्चों की लिखित सूचना निगम को देना चाहें औपचारिक  
देना इस्तथर के लिए भी अनिवार्य हो। आयात की खरीद निर्णीत हो  
जाने से 15 दिनों के भीतर उक्त सूचना के अनुगणन में मूल ठेके की  
सूचना एक फोटा प्रिंट के साथ भारतीय काजू निगम का पंजीकरण  
लिए भेजी जाएगी। आयातक आयात की खरीद की सूचना के साथ-  
साथ खरीद के लक्षित बीमा-भंडा मुख्य के 0.25 प्रतिशत की दर पर  
पंजीकरण के खर्च भी डिमान्ड ड्राफ्ट द्वारा निगम को भेजेगा।

1 निगम, आयातक से ठेके और उसके साथ आयातक द्वारा निकासी  
कराये जान वाले मास की मात्रा को निश्चित करने हुए प्राधिकार पत्र  
का पंजीकरण इनकी प्राप्ति की तिथि से 7 दिनों के भीतर करेगा।  
सीमाशुल्क प्राधिकारी ऐसे प्राधिकार पत्र के आधार पर ही मास की  
निकासी की अनुमति देगे।

5 भारतीय काजू निगम लि० द्वारा अपने निजी मेम्ब्रे पर आयोजित  
कच्चे काजू के सम्बन्ध में उसको यह स्वतंत्रता होगी कि वह वास्तविक  
उपभोक्ताओं का कोई भी मात्रा प्रदान करे।

राजीव लालन मिश्र, मुख्य नियंत्रक आयात निर्यात

## MINISTRY OF COMMERCE

## IMPORT TRADE CONTROL

## PUBLIC NOTICE No. 46-ITC(PN)/85-88

New Delhi, the 7th November, 1985

Subject :—Import and distribution policy in respect of raw cashew-nuts for 1985-88.

Issued from File No. IPC/25/2/84-85.—Attention is invited to the Import & Export Policy for April, 1985—March, 1988 (Vol. 1), published under the Ministry of Commerce, Public Notice No. 1-ITC-(PN)/85-88 dated the 12th April, 1985.

2. Under the import policy for 1985-88, raw cashewnuts can be imported by Actual Users (Industrial), Export Houses Trading House, and the Cashew Corporation of India Limited, in accordance with the provisions laid down.

3. The eligible importer shall, within seven days from the conclusion of import purchase, intimate in writing to the Cashew Corporation of India Limited Cochin in the form prescribed by the Corporation,

the details of purchase concluded by the importer even pending signing of a formal contract. The said intimation will be followed up within a fortnight from the conclusion of import purchase, by the original contract with a photostat copy for registration by the Cashew Corporation. The importer shall also remit by Demand Draft, registration charges to the Corporation calculated at 0.25 per cent of the cif value of the purchase along with the intimation of import purchase.

4. The Corporation will register the contract within seven days from the date of its receipt from the importer together with a letter of authority which will indicate the quantity to be cleared by the importer. The Customs authorities will allow clearance of the goods on the strength of such letter of authority.

5. In respect of the raw cashew-nuts imported by the Cashew Corporation of India Limited on its own account, the Cashew Corporation of India Limited will be free to offer the quantities to the Actual Users.

R. L. MISRA,  
Chief Controller of Imports & Exports.